जैन धर्म का भारतीय समाज पर प्रभाव बताएं।

Explain impact of Jainism in Indian society.

5. निम्नलिखित विषयों में से **किन्ही तीन** पर टिप्पणी लिखें: (6x3=18)

(i) अहिंसा : Ahimsa

(ii) तत्वार्थ सूत्र : Tattvartha Sutra

(iii) गुण : Guna

(iv) अस्तिकाय : AstiKaaya

(v) स्याद्वाद : Syadvaada

(vi) ब्रह्मांड : universe

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 3119 **I**

Unique Paper Code : 2135000011

Name of the Paper : Introduction to Jain Philosophy

Name of the Course : **Common program group NEP - UGCF- 2022**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer all questions.
3. All questions have equal marks
4. Answers may be written either in English or in Hindi, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान है।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
4. उत्तर अंग्रेजी में हिंदी में लिखा जा सकता है, लेकिन पूरे पेपर में एक ही माध्यम का उपयोग किया जाना चाहिए।

1. जैन धर्म के इतिहास पर निबंध लिखें। (18)

Write a note on the history of Jainism.

अथवा / OR

जैन धर्म के उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालें ।

Write an essay on origin and development of Jainism.

2. जैन वाद में वर्णित नयवाद के सिद्धांत का वर्णन कीजिए । (18)

Elaborate the concept of Nayavada as mention in Jain philosophy.

अनेकांतवाद की अवधारणा की व्याख्या कीजिए ।

Explain the concept of Anekantvada.

अथवा / OR

3. जैन धर्म में वर्णित अहिंसा सिद्धांत को स्पष्ट करें। (18)

Explain ahimsa theory according to Jainism.

अथवा / OR

जैन धर्म में वर्णित ज्ञान एवं उपासना पर प्रकाश डालें।

Throw light on meditation and fasting.

4. जैन धर्म की आधुनिक समय में स्थिति स्पष्ट करें । (18)

Review the Jainism in modern world.

अथवा / OR